# यीशु नम्रता से सेवकाई करते हुए अगुओं को प्रशिक्षित करते है।

**प्रार्थना:** प्यारे परमेश्वर, कृपया बच्चों की सहायता करें कि वह दूसरो की नम्रता से सेवा करें, जैसे कि यीशु ने एक उदाहरण के तौर पर अपने चेलो के पैर धोए थे।

बच्चों की उम्र और जरूरत के अनुसार कार्यक्रम चुनिए।

कोई बड़ा बच्चा या अध्यापक यूहन्ना अध्याय 13:1-17 पढ़े कि यीशु ने दूसरो की सेवा के लिए कैसे अपने चेलो को प्रशिक्षित किया।

**व्याख्या करो:**

- यीशु ने अपना उदाहरण देकर चेलो को प्रशिक्षित किया।
- यीशु ने उनकी सेवा एक दीन सेवक की तरह की, ताकि वह भी दूसरो की सेवा इसी तरह करें। *पूछें (उत्तर प्रत्येक प्रश्न के बाद है)*
- यीशु ने कितने समय तक अपने चेलों से प्रेम किया *(देखे यूहन्ना 13:1)*
- यीशु ने अपने चेलों की सेवा कैसे की *(पद 5)*
- क्या यीशु को मालूम था कि यहूदा उसको जल्द धोखा देगा *(पद 11)*
- यीशु ने नम्रता से एक दूसरे को सेवा करने के लिए चेलों को कैसे प्रशिक्षित किया। *(पद 15)*
- जब हम दूसरों की सेवा नम्रता से करते है तो परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है *(पद 17)*

यीशु दूसरों के पाँव धोते हैं, कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। आराधना अगुवे ये मिलकर बच्चे नाटक करें। अपना पढ़ाने का समय बच्चों को तैयार करने में लगाएँ। आपको सारे भाग इस्तेमाल नही करने की आवश्यकता नही है। बड़े बच्चे छोटे बच्चे को सहायता करें।

- बड़े बच्चे और मनुष्य यीशु, पतरस और वर्णनकर्त्ता का अभिनय करें।यीशु एक तौलिया और पानी का कटोरा पकड़े।
- जवान बच्चे पतरस, यहूदा और चेलों का अभिनय करें।

**वर्णनकर्त्ता:** कहानी का पहला भाग यूहन्ना 13:1-7 से बताये, जिससे यीशु ने दूसरो के पाँव धोए। फिर कहें ''सुनो यीशु क्या कहता है''।

**यीशु:** खड़ा हुआ और तौलिया अपनी कमर में बाँधी। पतरस के सामने घुटने टेककर उसके पाँव पानी से धोए और कहा ''मैने तुम सबसे बहुत प्रेम किया है। शीघ्र ही मैं यह संसार छोड़कर स्वर्ग में अपने पिता के पास जाऊँगा।

**चेले:** चिल्लाकर कहा, नहीं! तुम हमें नही छोड़ सकते! मत जाइए!

**यीशु:** मैने तुम्हें कुछ शिक्षा देनी है(पतरस के पाँव धोने शुरू कर दिए)

**चेले:** चिल्लाते हुए: यीशु क्यों दास की तरह हमारे पाँव धो रहे है। वह हमारे गुरू हैं। वह हमारा दास नहीं। वह हमारे गुरू हैं। वह हमारा दास नहीं। उसको ऐसा नही करना चाहिए।

**वर्णनकर्त्ता:** सुनो पतरस क्या कहता है।

**पतरस:** यीशु रूकिये! आप मेरे पाँव क्यों धो रहे है आप मेरे गुरू है।

**यीशु:** मैं हमेशा उनकी सेवा करता हूँ जिनसे प्रेम करता हूँ। क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हे स्वच्छ करूँ।

**वर्णनकर्त्ता:** कहानी का दूसरा भाग यूहन्ना 13:8-17 से बताएँ, फिर कहे ''सुनो पतरस क्या कहता है''

**पतरस:** फिर मेरे हाथ और सिर भी धो दे।

**यीशु:** नहीं, जितनी तुम्हें जरूरत थी वह मैने कर दिया। फिर भी, तुम सबके सब शुद्ध नहीं है।

**चेले:** चिल्लाते हुए ''वह किसके विषय में कह रहा है। किसका हृदय शुद्ध नहीं है।

**वर्णनकर्त्ता:** सुनो यहूदा अपने हृदय में क्या सोच रहा है।

**यहूदा:** सुनने वालों की तरफ गया और कहा ''यीशु हमें रोम को राजनीति से आजाद नहीं कराना चाहता, जैसा मैं चाहता हूँ। मैं उसे उसके शत्रुओ को बेच दूगाँ(चला जाता है)

**यीशु:** मैं तुम्हारा गुरू और परमेश्वर हूँ लेकिन फिर भी दास की तरह मैंने तुम्हारे पाँव धोए। तुम्हारा गुरू और परमेश्वर हूँ लेकिन फिर भी एक-दूसरे के साथ ऐसा ही किया करो तब मैं तुम्हें आशिष दूगाँ।

**पतरस:** तुमने अपने उदाहरण द्वारा अच्छी शिक्षा दो जिसे हम कभी नही भुलेंगे।

**वर्णनकर्ता:** उन सबका धन्यवाद जिन्होने नाटक मे सहायता की।

**प्रश्न:** यदि बच्चे बड़ें के लिए यह नाटक करते हैं तो वह उनसे ऊपर दिए गए प्रश्न भी पूछें।

**1 पतरस 5:5 याद करें** ''इसी प्रकार हे नवयुवकों, तुम भी प्राचीनों के आधीन रहो और तुम सबके सब एक दूसरे के प्रति विनम्रता धारण करो क्योकि परमेश्वर अभिमानियो का तो विरोध करता है पर दीनों पर अनुग्रह करता है''

**पूछे:** हम किस तरह लोगों को विनम्रता से सेवा कर सकते है। (बच्चे उदाहरण दे)

**व्याख्या करें:** यीशु एक पापिन स्त्री को उसके आँसुओं से अपने पैर धोने दिए तथा बालों से पोंछने दिया। धार्मिकजन, जिसके घर में यह हुआ, यीशु का विरोध किया इस स्त्री के काम पर। यीशुने उत्तर दिया, जिसके पाप ज्यादा क्षमा किए गए वह ज्यादा प्रेम करता है और उसने उस स्त्री के पाप क्षमा कर दिए।(लूका 7:37-48)

पाँव का एक चित्र बनाए। बच्चे अपना यह चित्र आराधना के समय बड़ों का दिखाए और बताए कि हम कैसे विनम्रता से एक दूसरे की सेवा कर सकते है जैसे यीशुने अपने चेलोके पाँव धोकर सेवा की।

चार बच्चे फिलिप्पियो अध्याय 2:3-8 तक पढ़े।

कोई भी काम स्वार्थ और घमण्ड से न करे बल्कि विनम्रता और, आदर से एक दूसरे को इज्जत करे क्योकि प्रत्येक जन तुमसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

यह मत देखो कि तुम्हें क्या चाहिए बल्कि यही कि दूसरे क्या चाहते है।

जैसा यीशुमें लिया था वह रूप अपना जो कि परमेश्वर के रूप में आया लेकिन परमेश्वर से तुलना नहीं की बल्कि अपने आपको  इतना खाली कर दिया कि दास का रूप धारण कर लिया और अपने आपको मनुष्य रूप में बदल दिया।

मनुष्य रूप धारण करने के बाद, वह इतना विनम्र और आज्ञाकारी रहा कि मौत को, यहाँ तक क्रूस की मौत स्विकार कर ली।

**प्रार्थना:** यीशु आप हमारे परमेश्वर और गुरू हो। हम आपको स्तुति करते हैं कि आपने दूसरो को नम्रता से सेवा की। आपके उदाहरण पर चलने में हमारी सहायता करें। दूसरों की सेवा करने में हमारी सहायता करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net